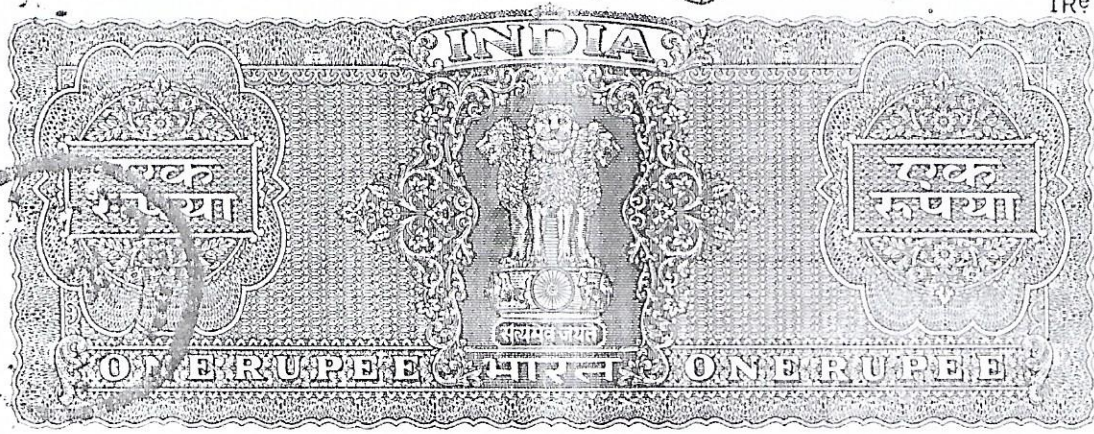


Sup. Court of the Sub Judge III, at Deoghar  
 T.S. No. 64 of 1998  
 Smt. Anita Jha vs. — Krishna Kant Baidi & ors.  
Copy of Ext. 7

19.5.06 12.6.06 17.6.06 20.6.06 20.6.06  
 95 76



Serial No 1928  
 Deed No 1797  
 Dated 3/7/97  
 Sale Deed for Rs 39,000/- only

सखी प्रति लिपि  
 कारसे जिला दिवंगत  
 देवदा

केवाला दाता: श्री मति आनन्द मश्री देवी पति  
 श्री रामोदर दत्त शर्मा जाति छिन्दू प्राधमण पेशा  
 गृहस्थाली साकिन चक्रवर्ती लेन देवदात प्रागा रसव  
 डिभिजन नो रसव बजिधरी देवदात जिला देवदात।  
 केवाला ग्रहिता: श्री मति अनिता का पति श्री  
 शिव अच्युत का जाति छिन्दू प्राधमण पेशा गृहस्थाली  
 साकिन शिव गंगा लेन देवदात प्रागा रसव डिभिजन  
 नो रसव बजिधरी देवदात जिला देवदात।  
 लेखन प्रकार :- विक्रम खोशा केवाला इलील।  
 प्रीमत आपदाद :- मोर 31,000/- अनचलील इका  
 कपले भाव।

विवरण आपदाद :- प्रागा नच 89.2 बीडी नच 932  
 नो नच 9 जिला देवदात रसव डिभिजन नो रसव  
 बजिधरी देवदात प्रागा देवदात साकिन जौजा नीत  
 नो रसव बजिधरी देवदात प्रागा देवदात साकिन

TESTED  
 JARY REGD. NO. 2251  
 JOY OF JHARKHAND  
 other themanturam





मसौड़ी जमीन काउन खान खान नर ६२ का अंश  
 खुद खान नर ६२ P/1 - खुदा ३२६० वर्गमीटर अकर  
 हलका देवदा नगर पालिका वार्ड नर १ पणेजीव  
 खुदिया खुदा नकसा में लाल रंग से रंगा हुआ  
 अंश का कुल एक एक बिक्री किया जिससे  
 चौकी ?

उत्तर :- खान नर ६२० खं ६२०

दफ्तर :- केवाला नर की जमीन जो भी  
 भाग का जो अमि-पेक का वे जास बिक्री कर  
 वही है।

खरव :- ३०'-०" मीटर चौड़ा रोड रोड नर

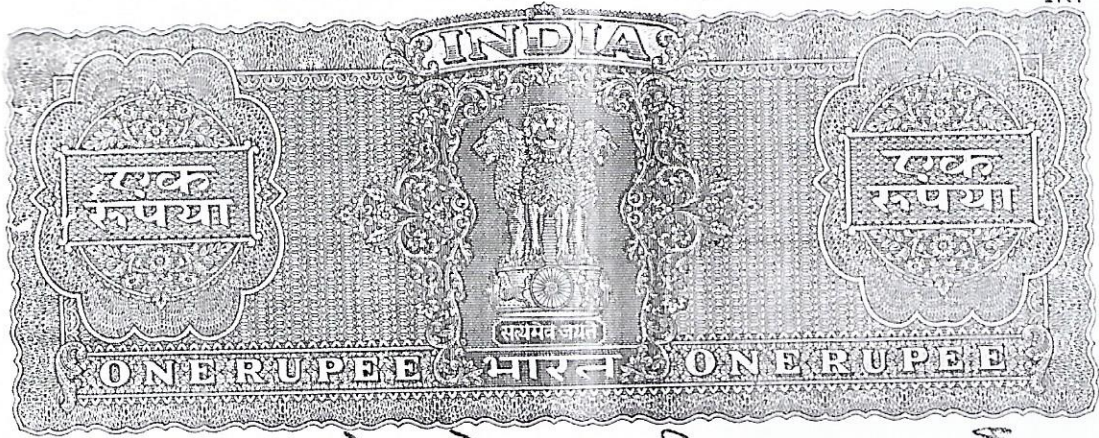
६६

परिष्कार :- खान नर २३

विदित हो कि देवदा खान के अन्धर  
 मौजा में नौलकैठ पुट अफि गुरपुट में मौसुरी मोक-  
 खे खान श्री जमीन (जिसकी सैटलमेंट नहीं  
 हुआ है) काउन खान खान नर ६२ के डिगल खान  
 की जमीन के खान सारे खान एक के लव्याने  
 काद से खाना जो २ के विदा को डिगल १४१६  
 १९२० ई में देवदा निषेध करालीला से निषेधित  
 कराली

REGISTERED  
 18/1  
 STAFF RECORD NO-2254  
 GOV. OF JHARKHAND  
 Patna, India



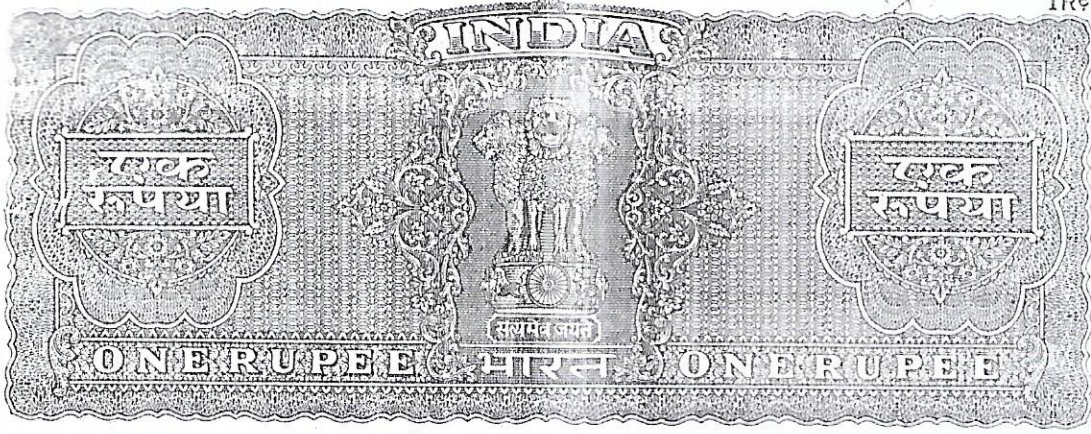


एक किरा खोश नेवारादलील (पुस्तक खिण्डा  
 9 डिग्न खिण्डा 6 पृष्ठ खिण्डा 2x4 से 2x6  
 मे निवेदित विषयी खिण्डा 283 वर्ष 9/20  
 ने द्वारा मोरकपानि वसीन्द्रा बाबू आगेछा प्रसाद  
 चौधरी से नीतकैठु उर्फ गृपुट निवासी मोर  
 खरीना वीपी खरीद नर निविदा रूप से उपर  
 कारणी बहो हुने उपरोक्त रूपपति के पुष  
 अंश के अन्तर्गत के एक मे इस्तकाल  
 केने के बाद थंडन शान शारंग ६२५ अंश  
 खरु शार नर ६२५ खरु खानि माप से  
 कल केने ५ पांन कडा 93 3/4 धुए पानि 6680  
 वर्गमीट के आपने जीवन काल मे आपनी पोतु  
 मोर फातना केगन खादिवा जोजे जनाव शाह  
 अबुस कमीट आरिणी खाफिल नीर कैठु उर्फ  
 उरुट विलखी यंडन केवल के एक मे नान  
 के के पर उपरोक्त रूपपति के मोर फातना  
 केगन खादिवा खरु माज हकदारीनी ओर खरु  
 कारणी हुनी मोर फातना केगन खादिवा उपरोक्त

20

NOTED  
 8/8/11  
 ADV. REGD. NO. 225A  
 OF JHARKHAND  
 Jharkhand





सुधामति पाट दण्डाकारणी रहती हुने निर्दिष्ट २०/३/१९५०  
 इत्यो मे देवपाट निर्दिष्टा कार्यालय मे निर्दिष्टा  
 वस्तु क्रिया विक्रम पत्र प्रस्तुत सिद्धा १ गिरि  
 इत्युत्तर ११ ११/३ छुट सिद्धा १२३ से १२६ मे  
 निर्दिष्टा डिप्टी सिद्धा ६३६ वर्ष १५/० केशवा  
 कृष्ण केवाला कार के पास पिछी कट कियो ओट  
 डेक् विक्रम पत्र के प्रष्टि मे जोर फालका वैजक  
 बसाधिया के लडके भाए अठ्ठुल कानिए सुकपालको  
 भाए गजए सुकपाल समकन के। पगकर समकन  
 कियो हे ओट मे केवाला कार खरीको गरीए  
 से डेक् सुधामति पाट निर्दिष्टा ब्याचे दण्ड  
 कारणी हे। उनी कृष्ण केवाला कारको खद  
 जसो शारीरक सुकन के लियो कुलो से आस-  
 गकरा हे बराजिले उपाएक सुधामति को पिछी  
 कते जा शोहर कियो ओट आम केवाला  
 अरिह उकरे अम उमर खाना विपसा जाकरा  
 मे वरिह सुधामति को खरीदु करे अ इशका  
 जाओ कते पाट उनी के बाजाए कट से  
 ओट को पत्रा की कुरी ले उकरा कित  
 सिद्धा



TESTED  
 6/2/51  
 RECORDED. NO. 225A  
 GOV. OF UTTAR PRADESH  
 under the provisions of the



मोठ ३१,००० अचालीस हजार रुपया नाममात्र  
 अल्प मात्रा वरील मी नेवाला मातृ आण  
 नेवाला अधिक से गमाव मोठ ३१,००० अचालीस  
 हजार रुपया एक मुस्त पाकर उपायवाना  
 विवरण जाणकार से परिचित स्वमुक्ति को पणेजति  
 स्वामिल मुक्त गमना से लाल गुरवे रंगा हुका  
 अंश आम्हे पास विक्री कर दिम ओरि आम्हे  
 मवल से केदिना

अब आम नेवाला अधिक मुक्त नेवाला  
 मातृ ने अल्प व दक्ष से स्वपति व मवल स्वामी  
 होकर आम आम्हे पुत्र पौत्रादि पारीरुतन को  
 स्वकाला विविध गणपुत्र से अंगदपुत्र दात विक्री  
 मौरिगण व जाना प्रकार से पारमेन लका मम  
 स्विकृष्ट व स्वतन्त्रपति हुणे मी अदिपुत्री  
 होकर स्वोदय प्रविक अंगदपुत्र करी रहे हुके  
 मुक्त नेवाला मातृ आम पारीरुतन से विविध मम  
 का उत्र स्वतन्त्र गणे होगा न त्रैद कर स्वकेग  
 अंगद त्रैद नेले पहलरे अदातन गजापज ओर  
 पारिल होगा विक्रीत स्वजाति मी मी नेवाला  
 मातृ एक मात्र बालकीन ओरि मवल स्वामी  
 है इसके कोई फिर अंश आण मवल स्वामी  
 गणे है व मवल इसके उत्र स्वजाति को मिसी  
 ने पास मिसी हवद का मम लै मुक्त गवस्ताकर  
 गणे मिम है उत्र स्वजाति हवद से स्वववह  
 इस विक्री को गविला ने ओरि मी  
 स्वववव नजे ने सिम अंगद मुक्त नेवाला मातृ को  
 मिसी



REGISTERED  
 8/1/21  
 STAMP REGD. NO. 22523  
 GOV. OF JHARKHAND  
 under darkhand/10/10/21





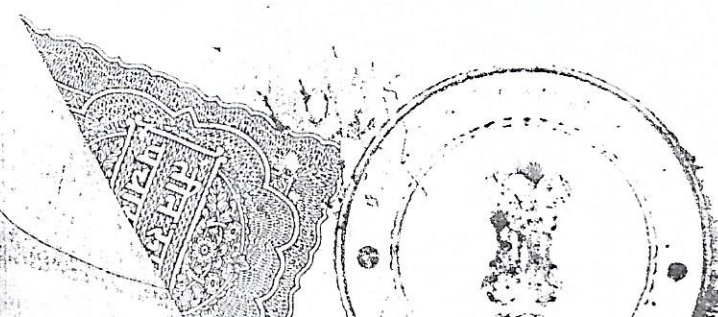
0 श्रीमति आलकाम्नी देवी <sup>10/6</sup> <sup>6</sup>  
 बसि 216116 गुजरात 229 दिनांक 28/6/97 श्रीमती  
 अनिताम गति श्री विजय कचन म विरम विरम  
 गंगा लक्ष देवकर मास्ते केवाला 20000 =  
 $40000 + 7500 = 7500 + 1000 = 10000 +$   
 $2000 = 2000 + 500$  Total 500 Total 48750  
 म मरुतुआर आर लो पत्रकार कर्मचारी  
 Sollegible 2816197 (Seal) Stamp Clerk  
 Deeghar treasury paper Deeghar

क्रमांक 229 श्रीमती मरुतुआर विरम विरम Sollegible 28161  
 97 (Seal) Stamp Clerk Deeghar treasury  
 पत्रकार Deeghar क्रमांक 229 श्रीमती  
 विरम विरम 2816197 (Seal) Stamp Clerk  
 Deeghar treasury paper Deeghar  
 क्रमांक 229 श्रीमती विरम विरम Sollegible 2816197  
 (Seal) Stamp Clerk Deeghar treasury  
 पत्रकार Deeghar क्रमांक 229 श्रीमती  
 विरम विरम 2816197 (Seal)  
 Stamp Clerk Deeghar treasury pa  
 97 Deeghar

Stamp 20000  
 20000  
 7500  
 1000  
 2000  
 500

487500  
 40950  
 78000  
 487500

Paid by \_\_\_\_\_



VERIFIED  
 68.3  
 HARVIREG. NO. 229  
 SOV. OF VIRAM VIRAM  
 Author: \_\_\_\_\_

1020  
S. B. Tirdar  
freepand 319197

83

15600  
3600  
13960

317197

आनन्द ठाकुर देवी  
मनोहर कर्मचारी  
प्रमाणित किताब नं. 3161/6  
909

प्रमाण

0 श्रीमति आनन्द ठाकुर देवी का प्रमाणित  
मनोहर श्रीमति आनन्द ठाकुर देवी के द्वारा  
प्रमाणित किताब नं. 3161/6  
S. B. Tirdar  
317197

अपनी श्रीमति आनन्द ठाकुर देवी ने प्रमाणित किताब  
प्रमाणित किताब नं. 3161/6 का प्रमाणित  
मनोहर श्रीमति आनन्द ठाकुर देवी के द्वारा  
प्रमाणित किताब नं. 3161/6 का प्रमाणित  
प्रमाणित किताब नं. 3161/6 का प्रमाणित  
प्रमाणित किताब नं. 3161/6 का प्रमाणित



TESTED  
8/12/21  
APV (REGD. NO.-225A)  
GOV. OF JHARKHAND  
Jharkhand



156 Val 11/97 103 D 84

प्रीमति आनन्द मनी देवी वर कामोदर  
कत हारे प्रीमति आनन्द मनी देवी के हारने  
उसके हीम किम कामोदर कत हारे  
316146

157 Val 11/97  
84 कामोदर कत हारे  
316146  
S/S. B. Prasad.

गजल निमल व मनी  
मनी देवी  
मनी देवी  
12/5/98

317197  
मनी देवी  
मनी देवी  
12/5/98

मनी देवी के गजल निमल व मनी  
मनी देवी के गजल निमल व मनी  
मनी देवी के गजल निमल व मनी

2/11  
गजल निमल व मनी  
मनी देवी  
12/5/98



ATTESTED  
8/11/11  
STAMP REGD. NO. 225A  
GOV. OF JHARKHAND  
Author: [illegible]

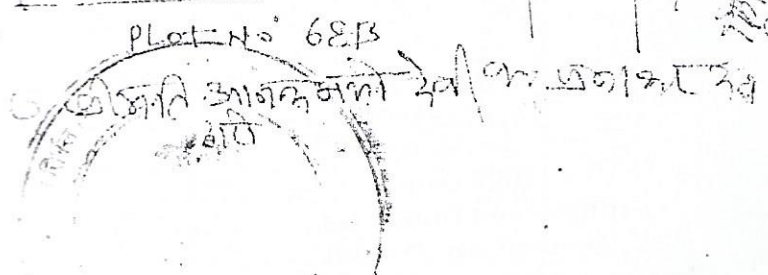
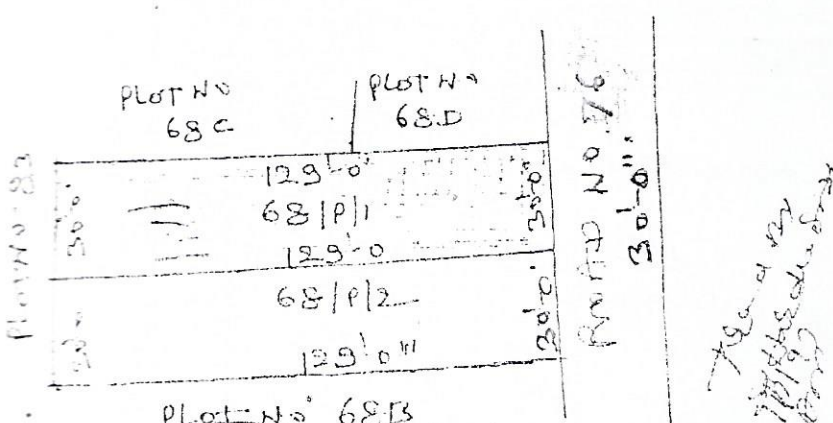


PLAN OF LAND UNDER MOUZA MIL  
 KAMTHPUR ALIAS NOORPUR No 415/04  
 WITHIN DEOGHAR MUNICIPAL WARD  
 No 1 PART OF T. P. No 68 MARK 95  
 68/P1 AREA 3870 S. Feet SHOWN IN  
 RED COLOUR BELONGS TO Smt ANAND  
 MAI DEVI AND NOW SOLD TO ANITA  
 DHA W/o SRI SHIV BACHAN DHA of  
 SHIV GANGA LANE, DEOGHAR

SCALE - 1" = 40' 0"



TRM/2 Copy  
 DSK Design  
 12/5/98



APV REGD. NO. 225A  
 JOY OF JHARKHAND  
 Smt. Anand Devi